अब ब्रिटेन में भी बिखरेगी ओडीओपी उत्पादों की चमक

अमर उजाला ब्यूरो

ब्रिटिश काउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल संवाद में बनी सहमति

क्राफ्ट्स काउंसिल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लगेगी उत्पादों की प्रदर्शनी

लखनऊ। ओडीओपी उत्पादों को ब्रिटेन में होने वाले प्रचार/शिल्प कार्यक्रमों में प्रमुख स्थान दिया जाएगा। ब्रिटिश काउंसिल के उपक्रम क्राफ्ट्स काउंसिल के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अगले साल होने वाले कार्यक्रम में भी ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नवनीत सहगल के साथ ब्रिटिश काउंसिल के प्रतिनिधियों के वर्चुअल संवाद में बृहस्पतिवार को इस पर सहमति बनी।

सहगल के अनुसार ब्रिटिश काउंसिल ने ओडीओपी कारीगरों को अपना सामान ऑनलाइन बेचने के लिए डिजिटल टूलकिट उपलब्ध कराने, उसे इस्तेमाल करने की ट्रेनिंग देने का प्रस्ताव दिया है। काउंसिल के सदस्यों को बताया गया कि प्रदेश में 22 सामान्य सुविधा केंद्रों का शिलान्यास किया जा चुका है।

20 हजार से अधिक ओडीओपी उत्पादों को ऑनलाइन सेल्स प्लेटफार्म से जोड़ा गया है। ओडीओपी कार्यक्रम के तहत लगभग 56 हजार से अधिक ओडीओपी कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया है। लगभग 41 हजार कारीगरों को उन्नत टूलकिट दिए गए हैं। साथ ही 500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को ओडीओपी मार्जिन मनी स्कीम में बैंक लोन दिलाया गया।

वर्चुअल संवाद में आर्टस् ब्रिटिश काउंसिल इंडिया के निदेशक जोनाथन केंडी, डायरेक्टर नार्थ इंडिया ब्रिटिश काउंसिल रशि जैन, नार्थ इंडिया ब्रिटिश काउंसिल हेड ऑफ आर्ट्स देविका पूरनदारे शामिल थीं। सहगल ने बताया है कि इस वर्चुअल संवाद का मकसद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई ब्रिटिश हाईकमिश्नर अलेक्स एलिस की मुलाकात के क्रम में संभावनाएं तलाशना था।